CALL@7235808541

An initiative of VISIONIAS INSPIRING INNOVATION
Galaxy Achieve Your Goal

आई.एन.एस. विक्रांत

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नौसेना के पायलटों द्वारा आई.एन.एस. विक्रांत पर हल्के लड़ाकू विमान (तेजस, मिग-29के) को उतारने में सफलता प्राप्त की है ।
- ये स्वदेशी लड़ाकू विमान होने के साथ-साथ स्वदेशी विमान वाहक पोत के डिजाइन, विकास, निर्माण और संचालन करने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पहले स्वदेश निर्मित विमान वाहक पोत (आईएएसी) को 2 सितंबर को नौसेना के बेड़े में शामिल किया था।

आई.एन.एस. विक्रांत

- आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना के साथ सेवा में एक विमानवाहक पोत है।
- ये भारत में निर्मित होने वाला पहला वाहक है ।
- इसका निर्माण केरल में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया था।
- इसके निर्माण के साथ ही भारत भी 40,000 टन से अधिक श्रेणी के विमान वाहक बनाने में सक्षम राष्ट्रों के एक विशिष्ट समूह का हिस्सा बन गया है ।
- विमान वाहक पोत के निर्माण में 20,000 करोड़ रुपये की लागत आई।

तेजस

- तेजस भारत द्वारा विकसित किया जा रहा एक हल्का व कई तरह की भूमिकाओं वाला जेट लड़ाकू विमान है।
- यह हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा विकसित एक सीट और एक जेट इंजन वाला, अनेक भूमिकाओं को निभाने में सक्षम एक हल्का युद्धक विमान है।
- विमान का आधिकारिक नाम तेजस 4 मई 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखा था।
- यह विमान पुराने पड़ रहे मिग-21 का स्थान लेगा।

मिग-29के

- मिग-29के एक हल्का रुसी लडाकू विमान है।
- इसमें मल्टी फंक्शनल डिस्प्ले (एमएफडी), डिजिटल स्क्रीन और ग्लास की कॉकपिट है।
- ये विमान हवा से हवा, हवा से जमीन और एंटी शिपिंग अभियानों को भी अंजाम दे सकते हैं।
- ये समुद्री सतह पर मार करने में भी सक्षम है जिसके कारण नेवी ने अपने साथ इसे जोड़ा है।